

है, चाबुक, साँटा, दुरा 2. उत्तेजक बात कहना, मर्मस्पर्शी बात 3. चेतावनी पुं. (देश.) एक प्रकार का बाँस, जो दक्षिण में होता है, कुश्ती का एक पेंच।

**कोड़ाई स्त्री.** (देश.) खेत गोड़ने की मजदूरी 2. खेत गोड़ने का काम।

**कोड़ाना पुं.** (देश.) दूसरे के द्वारा गोड़ने का काम कराना।

**कोड़ार पुं.** (देश.) लोहे का एक प्रकार का गोल बंद जो कोल्हू के चारों ओर इसलिए जड़ा होता है कि वह फट न जाए, कुंडर, तौक।

**कोड़ी स्त्री.** (देश.) 1. बीस का समूह, बीसी 2. तालाब का पक्का निकास जिससे पानी भर जाने पर फालतू पानी निकल जाता है, पक्का वि. बीस।

**कोढ़ पुं.** (तद्.) एक प्रकार का रक्त और त्वचा संबंधी रोग जो संक्रामक और वंशानुक्रमिक होता है मुहा. कोढ़ चूना या टकपना- कोढ़ के कारण अंगों का गल गल कर गिरना; कोढ़ की खाज या कोढ़ में खाज- दुःख पर दुःख।

**कोढ़ा पुं.** (देश.) 1. खेत में वह बाड़ा या स्थान जहाँ खाद के लिए गोबर आदि संग्रह हेतु पशुओं को रखते हैं 2. साँकल आदि लगाने या फँसाने के लिए लोहे आदि को गोला 3. धातु का वह छल्ला या कड़ा जिसमें जंजीर या और कोई वस्तु अटकाई जाती है।

**कोढ़ी पुं.** (तद्.) 1. कोढ़ रोग से पीड़ित मनुष्य 2. स्त्री. (तद्.) मुँहबँधी कली, अनखिली कली।

**कोण पुं.** (तत्.) 1. एक बिंदु पर मिलती या कटती हुई दो ऐसी रेखाओं के बीच का अंतर, कोना, गोशा 2. दो दिशाओं के बीच की दिशा, विदिशा 3. सारंगी की कमानी 4. तलवारों आदि की धार 5. सोटा, डंडा 6. ढोल पीटने का चोब।

**कोणार्क पुं.** (तत्.) जगन्नाथपुरी का एक प्रसिद्ध तीर्थ, जहाँ का सूर्य मंदिर प्रसिद्ध है।

**कोत स्त्री.** (तद्.) बल, शक्ति 1. दिशा, ओर, तरु 2. कोना।

**कोतल पुं.** (फा.) 1. सजा सजाया घोड़ा जिस पर कोई सवार न हो, जलूसी घोड़ा 2. राजा की सवारी का घोड़ा 3. वह घोड़ा जो जरूरत के वक्त के लिए साथ रखा जाता है।

**कोतवाल पुं.** (तद्.) पुलिस का एक प्रधान अधिकारी जो किसी जिले के प्रधान नगर में रहता है (देश.) वह कार्यकर्ता जिसका काम पंडितों की सभा या पंचायतवाली बिरादरी अथवा साधुओं के अखाड़े की बैठक, भोज आदि का निमंत्रण देना और उनका ऊपरी प्रबंध करना हो।

**कोतवाली स्त्री.** (देश.) 1. वह स्थान जहाँ पुलिस के कोतवाल का कार्यालय हो 2. कोतवाल का पद।

**कोताही स्त्री.** (फा.) त्रुटि, कमी।

**कोथ पुं.** (तत्.) 1. आँख की पलक के भीतर का एक रोग, कथुआ 2. भगंदर 3. मंथन 4. सड़न।

**कोदंड पुं.** (तत्.) 1. धनुष, कमान 2. धनराशि 3. भौंह 4. एक प्राचीन देश।

**कोदंडकला स्त्री.** (तत्.) धनुर्विद्या।

**कोदरैता पुं.** (देश.) कोदो दलने की चक्की जो प्रायः चिकनी मिट्टी की बनती है।

**कोदव पुं.** (तद्.) कोदो।

**कोदो पुं.** (तद्.) एक प्रकार का अनाज जो काले रंग का होता है, कोदरा, कोदई प्रयो. कोदो सवाँ जुरतो भरि पेट नरोत्तमदास मुहा. कोदो देकर पढ़ना या सीखना-अधूरी या बेढंगी शिक्षा पाना; कोदो दलना- निकृष्ट पर अधिक श्रम का कार्य करना; छाती पर कोदो दलना- किसी को चिढ़ाने के लिए उसकी जानकारी में कोई काम करना।

**कोनसिला पुं.** (देश.) कोनिया की छाजन में वह मोटी लकड़ी जो बँडेर के सिरे से दीवार के कोने तक तिरछी गई हो, कोरो इसी के आधार पर रखे जाते हैं।